सुविधा : नागरिकों को तुरंत मिल सकेगा सभी सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ

केवाईसी का तत्काल लाभ उठाएं : शेंडे

■ **अर्जुनी मोरगांव (सं.).** केंद्र और राज्य सरकारों ने जन-धन योजना के माध्यम से बैंकों और लाभार्थियों को जोड़ने का काम किया है ताकि देश के अंतिम नागरिक को सरकारी योजनाओं का लाभ तुरंत मिल सके. केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना और राज्य सरकार की श्रावण बाल, निराधार, लाड़ली बहन जैसी कई योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए उन्हें बैंक से जोड़ा गया है. इन योजनाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए, ग्राहकों को एक निश्चित अवधि के भीतर पुनः केवाईसी करवाना आवश्यक है. आरबीआई 1 जुलाई से 30 सितंबर तक देश भर में सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत पुनः केवाईसी और वित्तीय समावेशन शिविरों का आयोजन कर रहा है. देश की 2 लाख 70 हजार ग्राम पंचायतों के अंतर्गत लाभार्थियों से इन शिविरों के माध्यम से डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए क्यूआर कोड, एसएमएस प्रणाली, बैंक मित्र का उपयोग करके या बैंक से संपर्क करके पुनः केवाईसी और वित्तीय समावेशन योजनाओं का लाभ उठाने की अपील आरबीआई नागपुर के मंडल संचालक सचिन शेंडे ने यहां प्रसन्ना सभागृह में बैंक ऑफ इंडिया शाखा अर्जुनी मोरगांव, आरबीआई और वित्तीय सेवा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पुनः केवाईसी और वित्तीय समावेशन शिविर में की.

इस अवसर पर आरबीआई नागपुर की उप महाप्रबंधक अंजना श्यामनाथ, बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक जय नारायण, अग्रणी जिला प्रबंधक नरेंद्र मडावी, गोंदिया शाखा के मुख्य प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार, उमेद अभियान प्रबंधक रेशिम नेवारे, वित्तीय तहसील प्रबंधक दिनेश भेंडारकर, कृषि वित्त विभाग के अजय गुडधे, कृषि वित्त विभाग की नम्रता ठाकरे, बैंक ऑफ इंडिया नागपुर के कमल प्रसाद कोरी उपस्थित थे.

स्वयं सहायता समूहों ने किया मार्गदर्शन

शिविर में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के 70, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के 60, अटल पेंशन योजना के 30 और 350 पुनः केवाईसी लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया. शिविर में लाभार्थियों को बैंक प्रतिनिधियों और स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल द्वारा मार्गदर्शन दिया गया. स्वयं सहायता समूहों, उत्कृष्ट ऋणकर्ताओं और फसल ऋणकर्ताओं को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया. संचालन ऋत्विज दप्तरी ने किया व आभार मिथुन बारसागडे ने माना.